

सम्पादकीय

राहुल के मौन के मायने

मार्दी सरकार के एक और बड़े फैसले के तहत वक्फ संशोधन बिल अब कानून बन गया है। इससे पूर्व लोकसभा में बिल के पक्ष में 288 और विरोध में 232 वोट पड़े। अगले दिन बिल को राज्यसभा में पेश किया गया। यहाँ भी लंबी और सार्थक चर्चा के बाद बिल को पास कर दिया गया। राज्यसभा में बिल के पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े। संसद से पास होने के बाद वक्फ संशोधन बिल को राष्ट्रपति के पास भेजा गया था। जिसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। कई दशकों से जमीनों पर कब्जे को लेकर वक्फ बोर्ड का वर्चर्व अब खत्म हो गया है। एनडीए सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाने हुए वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया था जिस पर पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी दलीलों से पक्ष रखा लेकिन हैरानी की बात यह रही कि राहुल गांधी ने सदन के अंदर बिल पर एक शब्द भी नहीं कहा। बाहर तो कांग्रेस तो विरोध कर रही है, लेकिन राहुल गांधी तुम है। शायद राहुल गांधी भी यह भाषा तुके थे कि लोकसभा एवं राज्यसभा में इस कानून को चुनौती देना इंडी गटबंधन के बूते की बात नहीं है। उनकी नजर में कहीं ना कहीं हिंदू वोट भी रहे होंगे जो 2014 के बाद बड़ी संख्या में धूकीकरण की ओर बढ़े हैं। वर्षी में कांग्रेस की तरफ से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिस्सा ही नहीं लिया। इसके अलावा प्रियंका गांधी तो सदन तक भी नहीं पहुंची। यह है कि जिस प्रकार से अब तक मुरिलम वोटों को लेकर तुरुकरण की राजनीति खेली जा रही थी वह अब परिवर्तित होते हुए हिंदू वोटों की ओर आकर्षित होता है। राहुल गांधी शायद अब तक यह समझ रुके होंगे कि एक वर्ग का समर्थन कर भविष्य में कांग्रेस की नेता को पार नहीं लगा सकते। उधर कहीं ना कहीं उनका यह मौन उनके लिए फायदेमंद भी साकित हो सकता है क्योंकि संख्या बढ़ते हैं राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन चुका है। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 के तहत अब कई हजार एकड़ जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई जा सकती हैं तो लोग और दलीलों से पक्ष रखते हैं। यहाँ भी देखना चाहिए।

रामाण में मुख्योटा नृत्य शैली का प्रयोग होता है, इसमें 12 जोड़ी ढोल और दमाऊँ की धाप पर 18 लोकों के साथ लोक शैली में भावान राम की लीलाओं का आयोजन किया जाता है। रामाण पौराणिक देव यात्रा, लोक नाटक की धाप पर प्रसारित किया जाता है। ढोल-दमाऊँ की धाप पर इसमें मोर-मोरी नृत्य, बणियान, युद्ध शैली के नृत्य भी दशकों को रोमांचित कर देते हैं।

भूम्याल देवता ने दूर-दूर के लोग और दलीलों से देवी-देवताओं क्षेत्रपाल देवता की आराधना के साथ ही जागर और ढोल दमाऊँ की धाप पर मुख्योटा शैली में राम-रीता लक्ष्मण की नृत्य नाटिकाएं होती हैं। रामाण उत्तराखण्ड में रामायण प्रस्तरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। रामाण का आयोजन पूर्वोत्तर योगी जो भी धूमों का आमंत्रित करने की स्वतंत्रता रहती है, जिसमें रामाण में यात्रा के अन्तर्गत समाधान वर्षा भवताव लाता है। इसके सबसे महत्वपूर्ण प्रावधानों में किसी भी सरकारी संपत्ति को चाहे वह विधेयक के अधिनियम से पहले या बाद में वक्फ भूमि के स्वरूप ही पहाड़ी योगिता की गई है — वक्फ संपत्ति मानों से रोकता है। विधेयक का उद्देश्य मूजूदा वक्फ प्रणाली में सुधार करना है। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदी को बढ़ाना है। एकीकृत सुधारों को पेश करके, यह स्थानीय वक्फ बोर्डों को सशक्त बनाने, परिवालन दक्षता में सुधार करने और सामुदायिक विकास के लिए वक्फ संपत्तियों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। यह कोई विवाद होता है कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि संपत्ति सरकारी की है, तो राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक सुधार किए जाएंगे। कलेक्टर की स्पोर्ट प्राप्त होने पर, राज्य सरकार वक्फ बोर्ड को अपने रिकॉर्ड को तदनुसार त्रीकृत करने का निर्देश देती। बोर्ड के नाम पर जमीनों पर अवैध कब्जे करने का जो कम चला आ रहा था वह अब समाप्त हो सकता तो वही राजनेताओं का वह चरित्र भी उजागर होगा जिसमें वह एक खास वर्ग के लोगों को बोट बैंक की खातिर खुश करने के लिए अन्तर्नियम, वर्षीय नृत्य की गई है। वक्फ संपत्ति नामों से रोकता है। विधेयक का उद्देश्य मूजूदा वक्फ प्रणाली में सुधार करना है। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदी को बढ़ाना है। एकीकृत सुधारों को पेश करके, यह स्थानीय वक्फ बोर्डों को सशक्त बनाने, परिवालन दक्षता में सुधार करने और सामुदायिक विकास के लिए वक्फ संपत्तियों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। यह कोई विवाद होता है कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएगा। यदि कलेक्टर यह निर्धारित करते हैं कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या वक्फ संपत्ति, तो मामले को जिला कलेक्टर को भेजा जाना चाहिए, जो एक जंच करेंगे और राज्य सरकार को एक स्पोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती, तब तक प्रश्नगत संपत्ति को वक्फ भूमि के स्वरूप में नहीं माना जाएग

